>

Title: Regarding reported irregularities in construction and repair work of Ganga setu in Patna, Bihar.

**श्री हुक्मदेव नारायण यादव (मधुबनी):** महोदया, मैं भारत सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट करना चाहता हूँ कि पिछले तीन साल से लगातार मैं इस विषय को उठाते आ रहा हूँ लेकिन सरकार की तरफ से इस पर कोई गंभीर कार्यवाही नहीं की जाती है। आप भी जानती हैं कि पटना में जो महात्मा गांधी सेतु है, वह निर्माण काल से ही इतना खराब बनाया गया है कि उसकी हालत बहुत जर्रजर है। पिछले 7-8 साल से 2 सौ करोड़ रूपये उसकी मरम्मत पर खर्च किए जा चुके हैं। फिर भी अभी उसकी एक ही लेन कारगर है, दूसरी लेन कारगर नहीं है। कहीं-कहीं उसका स्पेन एक फुट से डेढ़ फुट तक धंस गया है। उस पुल को बनाने वाला कौन था? उसने पुल बनाने में जो गलती की है, उसकी जांच सरकार क्यों नहीं करना चाहती है? अब उस पुल का जिम्मा एनएचएआई के पास चला गया है। एनएचआई और एनएच वाले कहते हैं कि वह पुल बिहार सरकार के इंजीनियर ने बनाया था इसलिए उसके बारे में उन्हें जानकारी नहीं है। उस पुल की स्ट्रेंथ कितनी हैं? जिस समय वह पुल बना था, उस समय 12 और 14 टन का ट्रक उस पर चलता था। आज उस पुल पर 100 टन का लोड ले कर ट्रक चल रहा है। उस समय कोई एनएच नहीं था। गंगा पुल के पार होते ही एनएच-103 है जो मुसरीघरारी, समस्तीपुर तक है। हाजिपुर से लेकर मुज्जफरपुर तक चार लेन है। हाजिपुर से लेकर छपरा, सीवान और गोपालगंज तक चार लेन है। उस पुल पर बहुत लोड पड़ रहा है। किसी भी समय ऐसा हो सकता है कि एक-आध सौ ट्रक और गाड़ी को लेते हुए वह पुल गंगा के पेट में समा जाएगा। वहां ऐसी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। सरकार से मेरी सीधी मांग है। नंबर एक - उस पुल को बनाने वाली कंपनी की जांच शुरू से की जाए। अगर उसमें आर्किटेक्चरल फाल्ट है तो उसकी जांच कर के उस कंपनी को सजा दी जाए। दूसरा, उसके लॉक करने का जो सिस्टम लगा था वह फेल हो गया है। जिस कंपनी ने वह लॉक सिस्टम दिया था, वह टेक्नॉलाजी दी थी, उस कंपनी पर कार्यवाही की जानी चाहिए। तीसरा, वह पुल वर्तमान में पूरा लोड ले कर नहीं चल सकता है, इसलिए एनएचएआई को उसके बगल में एक अन्य पुल बनाना चाहिए जो कि पूरा लोड ले कर उस पर जा सके। इन तीन बातों पर सरकार को तुंत ध्यान देना चाहिए। जिस कंपनी ने गड़बड़ी की है और देश के साथ इतना बड़ा धोखा किया है और पैसे का घोटाला किया है, उस पर कार्यवाही की जाए, मुकदमा चलाया जाए और उसे ब्लैक लिस्ट किया जाए। मेरी यही मांग है।

**अध्यक्ष महोदया :** श्री पन्ना लाल पुनिया अपने आप को श्री हुक्मदेव नारायण यादव जी के विषय से संबद्ध करते हैं।